Maharshi Dayanand University Rohtak
6d ·

SENSITIZATION PROGRAMME ORGANIZED BY THE ADMINISTRATIVE STAFF COLLEGE, MDU
October 10,2022
The need to be ethical, fair, and work with dedication strictly as per University rules & regulations was stressed by the speakers in the 'Sensitization Programme on Professional Ethics and Prescribed Code of Conduct for Administrative & other staff' organized by the Administrative Staff College of Maharshi Dayanand University. Kurukshetra University Professor and Ex-Registrar, CBLU (Bhiwani) Dr. Bhagwan Singh Chaudhary delivered the keynote address in the programme. He underlined the importance of honesty and integrity in professional work conduct. He also emphasized on organizational loyalty. Prof. Bhagwan Singh also laid emphasis on Service with a Smile.

MDU Dean, Academic Affairs Prof. Nov Rattan Sharma that organizational work culture transformation can be facilitated by attitudinal change. He also stressed the need to maintain work-life balance, and taking care of mental health. He said that MDU is in process of establishing Employee Well Being Centre and Happiness Lab in the University.

MDU Registrar Prof. Gulshan Lal Taneja highlighted the importance of congenial work culture, and dedication towards work. He also advised employees to update their knowledge on the Service & Conduct Rules of the University.

Director, IQAC Prof. B. Narsimhan spoke about the need to develop quality work culture in University. Co-ordinator, ASC Dr. Anar Singh expressed the Vote of Thanks.

University staff members attended this Sensitization Programme.

Maharshi Dayanand University Rohtak
October 10 at 4:31 PM ·

रोहतक, 10 अक्टूबर। कर्तव्य परायणता, सत्य निष्ठता तथा समर्पण भाव से, मुस्कान के साथ सेवा का मंत्र आज महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के एडमिनिस्ट्रेटीव स्टाफ कॉलेज के तत्वावधान में आयोजित- प्रोफेशनल ऐथिक्स एण्ड प्रेस्क्राइब्ड कोड ऑफ कंडक्ट फॉर एडमिनिस्ट्रेटिव एण्ड अदर स्टाफ विषयक संवेदीकरण कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ताओं ने दिया।

इस संवेदीकरण कार्यक्रम में मुख्य वक्ता कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तथा सीबीएलयू, भिवानी के पूर्व कुलसचिव प्रो. भगवान सिंह चौधरी ने विश्वविद्यालय कर्मियों को कर्म प्रधान बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि फाइल निष्पादन में समावेशी, सकारात्मक, तथा संगठनात्मक निष्ठवान बने। प्रो. भगवान सिंह चौधरी ने कहा कि विश्वविद्यालय कर्मियों को विश्वविद्यालय निमयों का पालन अवश्य करना चाहिए। साथ ही, आज के डिजीटल युग में कर्मियों को डिजीटल संसाधनों के उपयोग में महारत हासिल करने की बात प्रो. भगवान सिंह चौधरी ने कही। उन्होंने एमडीयू प्रशासन को इस संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजन करने की पहल पर बधाई दी।

एमडीयू कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने कहा कि कार्यालय कार्य-प्रणाली में हमेशा सुधार की गुंजाइश होती है। प्रो. तनेजा ने कहा कि काम के प्रति वफादारी जरूरी है। उन्होंने ईमानदारी और सत्यनिष्ठाता पर विशेष जोर दिया। विवि कर्मियों से सर्विस एण्ड कंडक्ट रूल्स को ध्यानपूर्वक पढक़र उस पर क्रियान्वयन करने की नसीहत प्रो. तनेजा ने दी। पावर पाइंट प्रेजेंटेशन से कुलसचिव ने प्रोफेशनल ऐथिक्स एण्ड कंडक्ट पर प्रकाश डाला।

इस संवेदीकरण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीन, एकेडमिक एफेयरस प्रो. नवरतन शर्मा ने कहा कि बेहतर कार्य संस्कृति के लिए मनोवृति में बदलाव जरूरी है। प्रो. नवरतन शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रति स्टूडेंट परसेप्शन तथा पब्लिक परसेप्शन बदलाव में विवि कर्मियों की सकारात्मक भूमिका हो सकती है। आज विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर प्रो. नवरतन शर्मा ने विवि कर्मियों को अपने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक होने की बात कही। उन्होंने कहा कि भविष्य में एमडीयू में एम्प्लाई वेलबिंग सेंटर तथा हैप्पीनैस लैब की स्थापना की योजना है। विवि कर्मियों से विशेष रूप से वर्क-लाइफ बैलेंस पर ध्यान देने की बात उन्होंने कही।

कार्यक्रम के प्रारंभ में निदेशक आईक्यूएसी प्रो. बी. नरसिम्हन ने स्वागत भाषण दिया। प्रो. नरसिम्हन ने कहा कि इस संवेदीकरण कार्यक्रम से विश्वविद्यालय में गुणवत्तापरक कार्य संस्कृति का विकास होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय कर्मियों को निश्चित टाइम फ्रेम में काम करने की सलाह दी। प्रशासनिक स्टाफ कालेज के समन्वयक डा. अनार सिंह ढुल ने कार्यक्रम का समन्वयन किया तथा अंत में आभार प्रदर्शन किया।

ह्यूमैनिटी एण्ड आर्ट्स फैकल्टी के डीन प्रो. हरीश कुमार, निदेशक जनसंपर्क सुनित मुखर्जी व पीआरओ पंकज नैन इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। एमडीयू के उप कुलसचिव, सहायक कुलसचिव, अधीक्षक समेत प्रशासनिक स्टाफ, अन्य स्टाफ सदस्य इस संवेदीकरण कार्यक्रम में शामिल हुए।

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK
(A State University established under Ha 25 of 1975
NAAC accredited A+ Grad
Cordial Invitation for
PROGRAM ON PROFE HICS AND
UCT FOR ADMINISTRATI
.10.2022 at 11.00
MENT
Prof. Rajbir Si
Vice-Chancellor, M
Prof. Nov Rattan Sharma
Dean Academic Affairs
Prof. Gulshan Lal Taneja
Registrar, MDU Rohtak
Director
IQAC
Prof. B. Narasimhan
M.D.U. Rohtak

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK
(A State University established under Ha
25 of 1975
NAAC accredited A+ Grad
Cordial Invitation for
PROGRAM ON PROFE
UCT FOR ADMINISTRAT
.10.2022 at 11.00
MENT
Prof. Rajbir Si
Vice-Chancellor, M
Prof. Nov Rattan Sharma
Dean Academic Affairs
Prof. Gulshan Lal Taneja
Registrar, MDU Rohtak
Director
IQAC
Prof. B. Narasimhan
M.D.U. Rohtak

AHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK
(A State University established under Haryana Act No. 25 of 1975
NAAC accredited A+ Grade University
Cordial Invitation for
PUSH
PULL

कर्म प्रधान बने विश्वविद्यालय कर्मी: प्रो. भगवान सिंह

रोहतक, गिरीश सैनी। कर्तव्य परायणता, सत्यनिष्ठ तथा समर्पण भाव से, मुस्कान के साथ सेवा का मंत्र सोमवार को एमडीयू के एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज के तत्वावधान में आयोजित संवेदीकरण कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ताओं ने दिया। इस कार्यक्रम का विषय प्रोफेशनल एथिक्स एंड प्रेसक्राइब्ड कोड ऑफ कंडक्ट फॉर एडमिनिस्ट्रेटिव एंड अदर स्टाफ रहा।

बतौर मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तथा सीबीएलयू, भिवानी के पूर्व कुलसचिव प्रो. भगवान सिंह चौधरी ने विश्वविद्यालय कर्मियों को कर्म प्रधान बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि फाइल निष्पादन में समावेशी, सकारात्मक तथा संगठनात्मक निष्ठवान बने। प्रो. भगवान सिंह चौधरी ने कहा कि विश्वविद्यालय कर्मियों को विश्वविद्यालय

नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए। साथ ही, आज के डिजिटल युग में कर्मियों को डिजिटल संसाधनों के उपयोग में महारत हासिल करनी चाहिए।

कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने कहा कि कार्यालय कार्यप्रणाली में हमेशा सुधार की गुंजाइश होती है। प्रो. तनेजा ने कहा कि काम के प्रति वफादारी जरूरी है। उन्होंने ईमानदारी और सत्यनिष्ठा पर विशेष जोर दिया। विवि कर्मियों से सर्विस एंड कंडक्ट रूल्स को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर क्रियान्वयन करने की नसीहत भी दी। उन्होंने पावर पॉइंट प्रस्तुति से प्रोफेशनल एथिक्स एंड कंडक्ट पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीन, एकेडमिक अफेयर्स प्रो. नवरतन शर्मा ने कहा कि बेहतर कार्य संस्कृति के लिए मनोवृति में बदलाव जरूरी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रति स्टूडेंट परसेप्शन तथा पब्लिक परसेप्शन बदलाव में विवि कर्मियों की सकारात्मक भूमिका हो सकती है। आज विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर प्रो. शर्मा ने विवि कर्मियों को अपने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक होने की बात कही। उन्होंने कहा कि भविष्य में एमडीयू में एम्प्लाई वेलबींग सेंटर तथा हैप्पीनेस लैब स्थापित किए जाने की योजना है। विवि कर्मियों से विशेष रूप से वर्क-लाइफ बैलेंस पर ध्यान देने की बात भी उन्होंने कही।

कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत भाषण देते हुए निदेशक आईक्यूएसी प्रो. बी. नरसिम्हन ने कहा कि इस संवेदीकरण कार्यक्रम से विश्वविद्यालय में गुणवत्तापरक कार्य संस्कृति का विकास होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय कर्मियों को निश्चित टाइम फ्रेम में काम करने की सलाह दी। प्रशासनिक स्टाफ कालेज के समन्वयक डॉ. अनार सिंह ढुल ने कार्यक्रम का समन्वय किया। इस मौके पर डीन ह्यूमैनिटी एंड आर्ट्स प्रो. हरीश कुमार, निदेशक जनसंपर्क सुनित मुखर्जी, पीआरओ पंकज नैन सहित उप कुलसचिव, सहायक कुलसचिव, अधीक्षक व अन्य प्रशासनिक स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

रोहतक, मंगलवार • 11.10.2022

अमर उजाला

आयोजन

एमडीयू में संवेदीकरण कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विवि के प्रोफेसर ने की शिरकत

कर्म प्रधान बनें कर्मचारी : प्रो. भगवान

माई सिटी रिपोर्टर

एमडीयू में संवेदीकरण कार्यक्रम को संबोधित करते कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रो. भगवान सिंह चौधरी। विज्ञप्ति

रोहतक। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर प्रो. भगवान सिंह चौधरी ने विश्वविद्यालय कर्मियों को कर्म प्रधान बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि फाइल निष्पादन में समावेशी, सकारात्मक व संगठनात्मक निष्ठवान बनें। विश्वविद्यालय कर्मियों को विश्वविद्यालय नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए। डिजिटल युग में कर्मियों को डिजिटल संसाधनों के उपयोग में महारत हासिल करने पर भी जोर देना चाहिए।

प्रो. चौधरी महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के एडमिनिस्ट्रेटीव स्टाफ कॉलेज के तत्वावधान में प्रोफेशनल ऐथिक्स एंड प्रेस्क्राइब्ड कोड ऑफ कंडक्ट फॉर एडमिनिस्ट्रेटिव एंड अदर स्टाफ विषय पर संवेदीकरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता अपने विचार रख रहे थे। यहां उनके साथ अन्य विशिष्ट वक्ताओं ने कर्तव्य परायणता, सत्य निष्ठता व समर्पण भाव, मुस्कान के साथ सेवा का मंत्र दिया। एमडीयू कुलसचिव प्रो. गुलशन तनेजा ने ईमानदारी और सत्यनिष्ठाता पर विशेष जोर दिया। पावर पाइंट प्रेजेंटेशन से कुलसचिव ने प्रोफेशनल ऐथिक्स एंड कंडक्ट पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. नवरतन शर्मा ने की। निदेशक आईक्यूएसी प्रो. बी. नरसिम्हन ने विश्वविद्यालय कर्मियों को निश्चित टाइम फ्रेम में काम करने की सलाह दी। प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज के समन्वयक डॉ. अनार सिंह ढुल ने कार्यक्रम का समन्वयन किया। एमडीयू के उप कुलसचिव, सहायक कुलसचिव, अधीक्षक आदि कार्यक्रम में शामिल हुए।

दैनिक जागरण हिसार, 11 अक्टूबर, 2022

कर्मचारियों को कर्म प्रधान बनने की जरूरत : प्रो. भगवान सिंह

जागरण संवाददाता, रोहतक : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तथा सीबीएलयू, भिवानी के पूर्व कुलसचिव प्रो. भगवान सिंह चौधरी ने विश्वविद्यालय कर्मियों को कर्म प्रधान बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि फाइल निष्पादन में समावेशी, सकारात्मक, तथा संगठनात्मक निष्ठवान बने। प्रो. भगवान सिंह चौधरी ने कहा कि विश्वविद्यालय कर्मियों को विश्वविद्यालय नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए। साथ ही, आज के डिजीटल युग में कर्मियों को डिजीटल संसाधनों के उपयोग में महारत हासिल करने की बात प्रो. भगवान सिंह चौधरी ने कही। उन्होंने एमडीयू प्रशासन को इस संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजन करने की पहल पर बधाई दी। वह सोमवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के एडमिनिस्ट्रेटीव स्टाफ कालेज के तत्वावधान में आयोजित प्रोफेशनल

एमडीयू में कर्मियों के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम में संबोधित करते प्रो. भगवान सिंह चौधरी। ● पीआरओ

ऐथिक्स एण्ड प्रेस्क्राइब्ड कोड आफ कंडक्ट फार एडमिनिस्ट्रेटिव एंड अदर स्टाफ विषयक संवेदीकरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे।

इस संवेदीकरण कार्यक्रम में मुख्य वक्ता : एमडीयू कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने कहा कि कार्यालय कार्य-प्रणाली में हमेशा सुधार की गुंजाइश होती है। प्रो. तनेजा ने कहा कि काम के प्रति वफादारी जरूरी है। उन्होंने ईमानदारी और सत्यनिष्ठाता पर विशेष जोर दिया। विवि कर्मियों से सर्विस एण्ड कंडक्ट रूल्स को ध्यानपूर्वक पढक़र उस पर क्रियान्वयन करने की नसीहत प्रो. तनेजा ने दी। पावर पाइंट प्रेजेंटेशन् से कुलसचिव ने प्रोफेशनल ऐथिक्स एण्ड कंडक्ट पर प्रकाश डाला। इस संवेदीकरण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीन, एकेडमिक एफेयरस प्रो. नवरतन शर्मा ने कहा कि बेहतर कार्य संस्कृति के लिए मनोवृति में बदलाव जरूरी है। प्रो. नवरतन शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रति स्टूडेंट परसेप्शन तथा पब्लिक परसेप्शन बदलाव में विवि कर्मियों की सकारात्मक भूमिका हो सकती है। आज विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर प्रो. नवरतन शर्मा ने विवि कर्मियों को अपने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक होने की बात कही। उन्होंने कहा कि भविष्य में एमडीयू में एम्प्लाई वेलबिंग सेंटर तथा हेप्पीनैस लैब की स्थापना की योजना है। विवि कर्मियों से विशेष रूप से वर्क-लाइफ बैलेंस पर ध्यान देने की बात उन्होंने कही।

कार्यक्रम के प्रारंभ में निदेशक आईक्यूएसी प्रो. बी. नरसिम्हन ने स्वागत भाषण दिया। प्रो. नरसिम्हन ने कहा कि इस संवेदीकरण कार्यक्रम से विश्वविद्यालय में गुणवत्तापरक कार्य संस्कृति का विकास होगा। उन्होंने विवि कर्मियों को निश्चित टाइम फ्रेम में काम करने की सलाह दी। प्रशासनिक स्टाफ कालेज के समन्वयक डा. अनार सिंह दुल ने कार्यक्रम का समन्वयन किया व अंत में आभार प्रदर्शन किया। ह्यूमैनिटी एंड आर्ट्स फैकल्टी के डीन प्रो. हरीश कुमार, निदेशक जनसंपर्क सुनित मुखर्जी व पीआरओ पंकज नैन इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। एमडीयू के उप कुलसचिव, सहायक कुलसचिव, अधीक्षक समेत प्रशासनिक स्टाफ सदस्य इस संवेदीकरण कार्यक्रम में शामिल हुए।

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK
(A State University established under Haryana Act No. 25 of 1975
NAAC accredited A+ Grade University
Cordial Invitation for
'ONE DAY SENSITIZATION PROGRAM ON PROFESSIONAL ETHICS AND PRESCRIBED CODE OF CONDUCT FOR ADMINISTRATIVE AND OTHER STAFF'
on 10.10.2022 at 11.00 AM
VENUE : FACULTY DEVELOPMENT CENTRE, MDU ROHTAK
Chief Guest Prof. Rajbir Singh, Vice-Chancellor
Prof. Bhagwan Singh, (Former Registrar, Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani)
Prof. Nov Rattan Sharma, Dean Academic
Prof. Gulshan Lal Taneja, Registrar
Prof. Rajbir Singh
Vice-Chancellor, MDU Rohtak
Prof. Bhagwan Singh
(Former Registrar
Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani),
Department of Geo-Physics, KUK
Coordinator,
Administrative Staff College
Dr. Anar Singh Dhull
Prof. Nov Rattan Sharma
Dean Academic Affairs
Prof. Gulshan Lal Taneja
Registrar, MDU Rohtak
Director
IQAC
Prof. B. Narasimhan

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK
VENUE : FACULTY DEVELOPMENT CENTRE, MDU ROHTAK
Organised by :